BSES

इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगवाना कानूनी बाध्यता, मना करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

- बीएसईएस इलाके में 98 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ता लगवा चुके हैं इलेक्ट्रॉनिक मीटर
- बजार से भी उपभोक्ता खरीद सकते हैं अपनी पसंद के इलेक्ट्रॉनिक मीटर

नई दिल्लीः 14 जनवरी, 2009। इलेक्ट्रोमैकेनिकल मीटरों की जगह, इलेक्ट्रॉनिक मीटर न लगवाने वालों के लिए एक बुरी खबर है। यदि वे इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगवाने से मना करते हैं, तो उनकी बिजली काटी जा सकती है। बिजली कानून, 2003 और सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए) के आदेशों के मुताबिक, सारे इलेक्ट्रोमैकेनिकल मीटरों की जगह इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाए जाने हैं।

वैसे, बीएसईएस के 98 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ताओं ने कंपनी व कानून के साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाते हुए इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगवा लिए हैं। बाकी बचे 2 प्रतिशत उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे आगे आएं और अपने इलेक्ट्रोमैकेनिकल मीटरों को बदलवाकर, उनकी जगह इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगवा लें, जो कानून के मुताबिक आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाने का काम जोरों पर चल रहा है और इस वित्त वर्ष के अंत तक तमाम इलेक्ट्रोमैकेनिकल मीटरों को बदल दिया जाएगा।

दरअसल, दुनिया के ज्यादातर देशों में बिजली के इलेक्ट्रॉनिक मीटर ही हैं। बीएसईएस के एक अधिकारी ने अपने उपभोक्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनका रूख काफी सहयोगात्मक रहा है और अब, वे ब्रिटेन, फ्रांस, नार्वे, स्वीडन, डेनमार्क, इटली, साउथ, अफ्रीका, न्यूजीलैंड, कोरिया, मलेशिया व सिंगापुर के बिजली उपभोक्ताओं की श्रेणी में आ गए हैं, जहां लंबे समय से डिजिटल मीटर का उपयोग हो रहा है।

उपभोक्ता यदि खुले बाजार से अपनी पसंद का इलेक्ट्रॉनिक मीटर खरीदना चाहते हैं, तो यह विकल्प भी उनके पास मौजूद है। अधिकृत वेंडरों, व निर्माताओं की लिस्ट के बारे में जानने के लिए 39999707– बीआरपीएल और 39999808– बीवाईपीएल पर फोन करें या फिर www.bsesdelhi.com पर लॉगऑन करें।

इलेक्ट्रॉनिक मीटरों की कई खसियतें हैं और ये कई समस्याओं का समाधान खुद ही पेश करते हैं। एक नजरः

- **EL LED** – बीएसईएस के सभी सिंगल फेज इलेक्ट्रॉनिक मीटर के ऊपर एक लाइट है – **EL LED** । यदि यह लाइट ग्लो कर रही है, तो समझिये कि आपके घर की वायरिंग में कोई लीकेज है और, वायर एक–दूसरे से मिक्स हो रहे हैं। ऐसे में घर की आंतरिक वायरिंग की जांच करानी चाहिए।
- मीटर रीडिंग– इलेक्ट्रॉनिक मीटर में मीटर रीडिंग संबंधी गड़बड़ी नहीं हो सकती क्योंकि यहां मीटर रीडर, रीडिंग को कागज पर नोट नहीं करते, बल्कि मशीन से उसे डाउनलोड करते हैं।
- बिजली चोरी– इलेक्ट्रॉनिक मीटर में बिजली चोरी का पता लगाना आसान है। यदि किसी ने मीटर के साथ छेड़छाड़ की, तो वह मीटर में दर्ज हो जाएगा और अरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
- सटीकता– इलेक्ट्रॉनिक मीटर में, रीडिंग बिल्कुल सटीक आती है। मतलब, आप जितनी बिजली की खपत करेंगे, बिल्कुल उतनी ही रीडिंग आएगी– न कम, न ज्यादा।
- मीटर की मेमोरी पावर– यह मीटर आपकी बिजली खपत का रेकॉर्ड रखता है और यह भी बता सकता है कि किस महीने आपके यहां बिजली की सर्वाधिक खपत हुई है।

इलेक्ट्रॉनिक मीटरों के लिए अनुमतियोग्य दोष (परमिसिबल एरर) लिमिट इस प्रकार है:

देश	परमिसिबल एरर लिमिट (+/-)
जर्मनी	+ - 6
बेल्जियम	+ 4 /-6
ऑस्ट्रिया	+- 4
फ्रांस	+ - 3
इंग्लैंड	+ 2.5/-3.5
भारत	+- 2.5

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304